

૧૬૭૩

શ્રીમંત	નરકર
આચકવાડનારાન્યમાફેલીનિરાણ	
ધેરંદા-૨	
ગુનરાત્રીનિશાળનંબર	
પર્તી	
નામ	
આકાવીજુકજાળકૃષ્ણનારાગ્ગાપૈવાસેફેડમાસ્ત	
રમરાત્રીનિશાળનંબરન્યયોદરાએગ્રીએમુંબર્ષમાં	
નગરીઅરછાપોજાનામાંછપાવીછેઆપુસ્તકનોફ	
કકછપાવમારેપોતાનોતરફગોળ્યાછેસંને૧૮૮૩ઈ	

# બારસારીશીખામણો.

- ૧ વોજસરચ્છને નિયમીત રીતે ફાલર રેંફેયું.
- ૨ શરીર તથા કપડાં ચોખ્ખાં રાખવાં.
- ૩ વિવેકથી ને નરમાસથી ચર્તવું.
- ૪ પોતાના વર્ગમાં રેંફેયું. આમ તેમ ફરતા ફરવું નહીં.
- ૫ પાઠ ચાલતી વેળા યાતચીત કરવી નહીં.
- ૬ દકતર પાસેનું પાસે રાખવું.
- ૭ જે વોજચાલું હોય તે સંભાળીને વોજવું.
- ૮ પાઠ ચાલતી વખત બનતાં સુધી વર્ગમાંથી જવાની રત્ન માગવી નહીં.
- ૯ વગર રત્નએ શિક્ષક સાથે કઈ બોલવું નહીં.
- તેમ બને તેમ ઉપર નંબર રાખવા મેંફેનત કરવી.
- ૧૧ શિક્ષક કહે તે પર ધ્યાન આપવું. અને તેમની મર્યાદા રાખવી.
- ૧૨ હમેશા પોતાના પાઠ સારી રીતે સમજીને તૈયાર કરવા.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

स्मादिनवाडाइएव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

न.  
५५

उगताने सउमाने.

---

---

---

---

---

---

---

---

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

---

---

---

---

---

---

---

---

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



उमहाडिउंओडां.

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

स्वपतेनी छोछनही

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

उधेडाडिपरञ्जं आ  
डि.

---

---

---

---

---

---

---

---

घरडांगडावाणे

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

नमोऽद्यामानवसु

---

---

---

---

---

---

---

---

चाकरी विनाभाख

---

---

---

---

---

---

---

---

छाएनाझीडाछा <sup>ए</sup><sub>म</sub>

---

---

---

---

---

---

---

---

---

बन्तुशिपरत्नातपडे.

---

---

---

---

---

---

---

---

---



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

एगोसुदे  
मरे.

टटुमार तेजी कंपे.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

हार्दिक इन्तेती शि.

---

---

---

---

---

---

---

---

इंगराहरीरणी

ए

हपुंलागेघूणया<sup>य.</sup>

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

तलमांथीतेलनी<sup>२</sup>क२

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

सुंरुपुनयाय.

ह्यायिभनिंमूणछे.

---

---

---

---

---

---

---

---



धंधोऽरेवान्यमणे.

---

---

---

---

---

---

---

पडते पडतीनेचडते ति.

---

---

---

---

---

---

---

---

इरतांइरतांतरतां<sup>घ</sup>  
<sup>मा.</sup>

અણિયાનાખેત્રા

૨૧  
૪૮

756  
लगेतेनीविद्या

---

---

---

---

---

---

---

---

# भरताने मारवो नही.

---

---

---

---

---

---

---

---

संस्कृतान्वाही <sup>जो</sup> <sup>से</sup>

---

---

---

---

---

---

---

---

गङांशुनीयथ ३  
रां  
रया

---

---

---

---

---

---

---



वैष्णववैष्णवनीह

